भजन

पिया आपसा न कोई मेहरबान होगा
अपना लो अपनों को एहसान होगा

1– कछुक रात खिंचती ये चली आई कब से
इसकी सहर का कब फरमान होगा

2– कहना क्या सोचना क्या कर दो ईशारा
आशिक तो हंस कर कुरबान होगा

3– रख लूं संभाल कर ये दर्द और ये आंसू
अपनी हंसी का यहीं सामान होगा

4– सेहेरग से नजदीक दिल में बसे तुम
न सोचा था यूं भी कोई निगेहबान होगा

5– रूहें लाडली हैं तेरी लाड ही करना
लाड से कह दो ऐसा लाड न होगा

6– हसरत भरी नजर से हालत ये दिल की
अब खुद समझ लो हमसे न ब्यां होगा